अत्यंत गोपनीय - केवल आंतरिक एवं सीमित प्रयोग हेतु

सीनियर स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा, फरवरी-2024

अंक-योजना - विषय : हिंदी (आधार)

विषय कोड संख्या : 302, प्रश्न पत्र कोड : 2/3/1, 2/3/2, 2/3/3

सामान्य निर्देश :-

1. आप जानते हैं कि परीक्षार्थियों के सही और उचित आकलन के लिए उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन एक महत्त्वपूर्ण प्रक्रिया है। मूल्यांकन में एक छोटी-सी त्रुटि भी गंभीर समस्या को जन्म दे सकती है, जो परीक्षार्थियों के भविष्य, शिक्षा प्रणाली और अध्यापन-व्यवस्था को भी प्रभावित कर सकती है। इससे बचने के लिए अनुरोध किया जाता है कि मूल्यांकन प्रारंभ करने से पूर्व ही आप मूल्यांकन निर्देशों को **पढ़ और समझ** लें।
2. मूल्यांकन नीति एक गोपनीय नीति है क्योंकि यह आयोजित परीक्षाओं की गोपनीयता, किए गए मूल्यांकन तथा कई अन्य पहलुओं से संबंधित है | इसका किसी भी तरह से सार्वजनिक होना परीक्षा प्रणाली के लिए उपयुक्त नहीं है, जो लाखों परीक्षार्थियों के भविष्य को प्रभावित कर सकता है | इस नीति दस्तावेज़ को किसी से भी साझा करना, किसी पत्रिका में प्रकाशित करना और समाचार पत्र/वेबसाइट आदि में छापना IPC के तहत कार्यवाही को आमंत्रित कर सकता है|
3. मूल्यांकन अंक-योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही किया जाना चाहिए, अपनी व्यक्तिगत व्याख्या या किसी अन्य धारणा के अनुसार नहीं। यह अनिवार्य है कि अंक-योजना का अनुपालन पूरी तरह से निष्ठापूर्वक किया जाए। **हालाँकि, मूल्यांकन करते समय नवीनतम सूचना और ज्ञान पर आधारित अथवा नवाचार पर आधारित उत्तरों को उनकी सत्यता और उपयुक्तता को परखते हुए पूरे अंक दिए जाएँ।**
4. अंक योजना में उत्तरों के लिए केवल सुझाए गए मूल्य बिंदु शामिल हैं, ये केवल दिशा निर्देशों की प्रकृति में हैं और संपूर्ण उत्तर का गठन नहीं करते हैं। परीक्षार्थी अपनी अभिव्यक्ति कर सकते हैं और यदि अभिव्यक्ति सही है तो उचित अंक दिए जाएँ।
5. मुख्य परीक्षक प्रत्येक मूल्यांकन कर्ता के द्वारा पहले दिन जाँची गई पाँच उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन की जाँच ध्यानपूर्वक करें और आश्वस्त हों कि मूल्यांकन-योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही मूल्यांकन किया जा रहा है। परीक्षकों को बाकी उत्तर पुस्तिकाएँ तभी दी जाएँ जब वह आश्वस्त हों कि उनके अंकन में कोई भिन्नता नहीं है।
6. परीक्षक सही उत्तर पर सही का चिह्न (√) लगाएंगे और गलत उत्तर पर गलत का (×) चिह्न लगाएँगे। परीक्षक द्वारा मूल्यांकन करते समय सही का चिह्न (√) न लगने पर यह आभास होगा कि उत्तर सही है और कोई अंक नहीं दिया गया है। परीक्षकों द्वारा यह त्रुटि सर्वाधिक की जाती है।
7. यदि किसी प्रश्न के उपभाग हों तो कृपया प्रश्नों के उपभागों के उत्तरों पर **दायीं ओर** अंक दिए जाएँ। बाद में इन उपभागों के अंकों का योग **बायीं ओर** के हाशिये में लिखकर उसे गोलाकृत कर दिया जाए। **इसका अनुपालन दृढ़तापूर्वक किया जाए।**
8. यदि किसी प्रश्न के कोई उपभाग न हों तो बायीं ओर के हाशिये में अंक दिए जाएँ और उन्हें गोलाकृत किया जाए। इसके अनुपालन में भी दृढ़ता का पालन किया जाए।
9. यदि परीक्षार्थी ने अतिरिक्त प्रश्न का उत्तर दे दिया है, तो जिस उत्तर पर अधिक अंक प्राप्त हो रहे हों, उसे ही स्वीकार करें। दूसरे उत्तर को “अतिरिक्त प्रश्न” टिप्पणी के साथ काट दिया जाना चाहिए।
10. एक ही प्रकार की अशुद्धि बार-बार हो तो उस पर एक से अधिक बार अंक न काटे जाएँ।

11. यहाँ यह ध्यान रखना होगा कि मूल्यांकन में संपूर्ण अंक पैमाने 0-80 (उदाहरण 0-80 अंक जैसा कि प्रश्न-पत्र में दिया गया है) का प्रयोग अभीष्ट है अर्थात परीक्षार्थी ने यदि सभी अपेक्षित उत्तर-बिंदुओं का उल्लेख किया है तो उसे पूरे अंक देने में संकोच न करें।
12. प्रत्येक परीक्षक को पूर्ण कार्य-अवधि में अर्थात 8 घंटे प्रतिदिन अनिवार्य रूप से मूल्यांकन कार्य करना है और प्रतिदिन 20 उत्तर-पुस्तिकाएँ जाँचनी हैं।
13. यह सुनिश्चित करें कि आप निम्नलिखित प्रकार की त्रुटियाँ न करें, जो पिछले वर्षों में की जाती रही हैं ।

- उत्तर पुस्तिका में किसी उत्तर या उत्तर के अंश को जाँचे बिना छोड़ देना।
- उत्तर के लिए निर्धारित अंकों से अधिक अंक देना।
- उत्तर में दिए गए अंकों का योग ठीक न होना।
- उत्तर पुस्तिका के अंदर दिए गए अंकों का आवरण पृष्ठ पर सही अंतरण न होना।
- आवरण पृष्ठ पर प्रश्नानुसार योग करने में अशुद्धि होना।
- योग का अंकों और शब्दों में मेल न होना।
- उत्तर पुस्तिका से ऑनलाइन अंकसूची में सही अंतरण न होना।
- कुल अंकों के योग में अशुद्धि होना ।
- उत्तरों पर सही का चिह्न (√) लगाना, किंतु अंक न देना (सुनिश्चित करें कि (√) या **(×)** का उपयुक्त चिह्न ठीक ढंग से और स्पष्ट रूप से लगा हो।)
- उत्तर का एक भाग सही और दूसरा गलत हो, किंतु अंक न दिए गए हों।

14. उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करते हुए यदि कोई उत्तर पूर्ण रूप से गलत हो तो उस पर (x) निशान लगाएँ और शून्य (0) अंक दें।
15. उत्तर पुस्तिका में किसी प्रश्न का बिना जाँचे हुए छूट जाना या योग में किसी भूल का पता लगना, मूल्यांकन समिति के सभी लोगों की छवि और बोर्ड की प्रतिष्ठा को धूमिल करता है।
16. सभी परीक्षक वास्तविक मूल्यांकन कार्य से पहले 'स्पॉट इवैल्यूएशन' के निर्देशों से सुपरिचित हो जाएँ।
17. प्रत्येक परीक्षक सुनिश्चित करे कि सभी उत्तरों का मूल्यांकन हुआ है। आवरण पृष्ठ पर तथा योग में कोई अशुद्धि नहीं रह गई है तथा कुल योग को शब्दों और अंकों में सही लिखा गया है।
18. केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड पुन: मूल्यांकन प्रक्रिया के अंतर्गत परीक्षार्थियों के अनुरोध पर निर्धारित शुल्क भुगतान के बाद उन्हें उत्तर पुस्तिकाओं की फोटो कॉपी प्राप्त करने की अनुमति देता है । सभी परीक्षकों/अतिरिक्त प्रधान परीक्षकों/प्रधान परीक्षकों को एक बार पुनः याद दिलाया जाता है कि उन्हें यह सुनिश्चित करना होगा कि मूल्यांकन अंक-योजना में दिए गए प्रत्येक उत्तर के लिए मूल्य बिंदुओं के अनुसार सख्ती से किया जाए।

सीनियर सेकेंडरी स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा फरवरी -2024

अंक योजना : हिन्दी आधार प्रश्न पत्र गुच्छ संख्या 2/3/1, 2/3/2, 2/3/3

कक्षा : XII

अधिकतम अंक : 80

सामान्य निर्देश

- अंक योजना का उद्देश्य मूल्यांकन को अधिकाधिक वस्तुनिष्ठ बनाना है।
- वर्णनात्मक प्रश्नों के अंक योजना में दिए गए उत्तर बिंदु अंतिम नहीं हैं। ये सुझावात्मक एवं सांकेतिक हैं।
- यदि परीक्षार्थी इन सांकेतिक बिंदुओं से भिन्न, किंतु उपयुक्त उत्तर दें तो उन्हें अंक दिए जाएँ।
- मूल्यांकन कार्य निजी व्याख्या के अनुसार नहीं, बल्कि अंक योजना में निर्दिष्ट निर्देशानुसार ही किया जाए।

खंड अ **40 अंक**

(बहुविकल्पीय/वस्तुपरक प्रश्नों के उत्तर)

प्रश्न सं	प्रश्न पत्र गुच्छ संख्या			उत्तर संकेत /मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/3/1	2/3/2	2/3/3		
1	1	2	1	अपठित बोध - गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर	10x1=10
	(i)	(i)	(i)	(B) विलक्षण वैभव	1
	(ii)	(ii)	(ii)	(D) सुसंस्कार और सत्संगति	1
	(iii)	(iii)	(iii)	(A) दोष	1
	(iv)	(iv)	(iv)	(C) विचारों को नई दिशा	1
	(v)	(v)	(v)	(B) दिव्यगुणों का आभास	1
	(vi)	(vi)	(vi)	(C) केवल कथन IV सही है ।	1
	(vii)	(vii)	(vii)	(C) सठ सुधरहिं सतसंगति पाई	1
	(viii)	(viii)	(viii)	(D) चरित्र निर्माण संगति से होता है ।	1
	(ix)	(ix)	(ix)	(A) सत्संगति के प्रभाव को	1
	(x)	(x)	(x)	(D) राष्ट्र पर चरित्र संकट उपस्थित हो जाता है	1

प्रश्न सं	प्रश्न पत्र गुच्छ संख्या			उत्तर संकेत /मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/3/1	2/3/2	2/3/3		
2	2	1	2	अपठित बोध - पद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर	5x1=5
	(i)	(i)	(i)	(A) सदैव निराकांक्षी	1
	(ii)	(ii)	(ii)	(D) संसार अपनी गति से चले	1
	(iii)	(iii)	(iii)	(C) विपत्तियों का सुखद परिस्थितियों में ढल जाना	1
	(iv)	(iv)	(iv)	(A) संघर्ष एवं दुखों से लड़ने में	1
	(v)	(v)	(v)	(B) 1(ii), 2(i), 3(iii)	1
3	3	6	3	अभिव्यक्ति और माध्यम पर आधारित प्रश्नों के उत्तर	5X1=5
	(i)	(i)	(i)	(C) डेड लाइन	1
	(ii)	(ii)	(ii)	(D) वेबभाषा	1
	(iii)	(iii)	(iii)	(B) संपादकीय पृष्ठ पर लिखे गए संपादकीय को	1
	(iv)	(iv)	(iv)	(A) समाचार, फीचर, विशेष रिपोर्ट के लिए सामग्री एकत्रित करना	1
	(v)	(v)	(v)	(A) शब्द परदे पर दिखने वाले दृश्य के अनुकूल हों	1
पाठ्यपुस्तक पर आधारित प्रश्नों के उत्तर					
4	4	4	4	काव्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर	5X1=5
	(i)	(i)	(i)	(A) कृति का पूर्ण रूप ग्रहण करना	1
	(ii)	(ii)	(ii)	(A) कविता का आनंद शाश्वत है ।	1
	(iii)	(iii)	(iii)	(B) अद्भुत	1
	(iv)	(iv)	(iv)	(D) कथन सही है तथा कारण दोनों सही हैं, किंतु कारण, कथन की सही व्याख्या करता है ।	1

प्रश्न सं	प्रश्न पत्र गुच्छ संख्या			उत्तर संकेत /मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/3/1	2/3/2	2/3/3		
5	**5**	**5**	5	गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर	**5X1=5**
	(i)	**(i)**	**(i)**	(B) भय से पीड़ित	**1**
	(ii)	**(ii)**	**(ii)**	(C) भूख और महामारी से दम तोड़ रहे गाँव की दयनीय दशा का चित्रण	**1**
	(iii)	**(iii)**	**(iii)**	(A) महामारी और आर्थिक तंगी की त्रासदी से जूझती ग्राम-बस्ती में आशा-किरण का आश्रय व्यर्थ प्रयास है ।	**1**
	(iv)	**(iv)**	**(iv)**	(B) गाँव वालों के दुख में प्रकृति को दुखी दिखाने हेतु	**1**
	(v)	**(v)**	**(v)**	(A) 1(iii), 2(i), 3(ii)	**1**
6	**6**	**3**	**6**	पूरक पाठ्यपुस्तक पर आधारित प्रश्नों के उत्तर	**10X1=10**
	(i)	**(i)**	**(i)**	(A) दिनभर के शुष्क व्यवहार का निराकरण करने के लिए	**1**
	(ii)	**(ii)**	**(ii)**	(A) यशोधर बाबू द्वारा अपने बेटे भूषण को	**1**
	(iii)	**(iii)**	**(iii)**	(C) न.वा. सौंदलगेकर से	**1**
	(iv)	**(iv)**	**(iv)**	(C) कथन III सही है ।	**1**
	(v)	**(v)**	**(v)**	(D) कथन तथा कारण दोनों सही हैं, किंतु कारण, कथन की सही व्याख्या करता है ।	**1**
	(vi)	**(vi)**	**(vi)**	(B) नगरीय	**1**
	(vii)	**(vii)**	**(vii)**	(C) छापेवाला कपड़ा 'अजरक'	**1**
	(viii)	**(viii)**	**(viii)**	(B) याद हो जाने के बाद	**1**
	(ix)	**(ix)**	**(ix)**	(B) आशीर्वाद के फूल	**1**
	(x)	**(x)**	**(x)**	(A) उन पर व्यंग्य करने के लिए	**1**

प्रश्न सं	प्रश्न पत्र गुच्छ संख्या			उत्तर संकेत /मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/3/1	2/3/2	2/3/3		
				खंड - ब **40 अंक** **(वर्णनात्मक प्रश्नों के उत्तर)** **(जनसंचार और सृजनात्मक लेखन पर आधारित प्रश्नों के उत्तर)**	
7	**7**	**7**	**7**	किसी एक विषय पर रचनात्मक लेख अपेक्षित • आरंभ - 1 • विषयवस्तु - 3 • प्रस्तुति - 1 • भाषा - 1	6
8	**8**	**8**	**8**		**2x2=4**
	(i)(क)	**-**	**-**	• दृश्य के माध्यम से नाटक का निजी स्वरुप धारण करना • अगले दृश्य की पृष्ठभूमि तैयार करना	**2**
	अथवा **(i)(ख)**	**-**	**-**	• रेडियो श्रव्य माध्यम • कौन, किससे बात कर रहा है, देख नहीं पाते	**2**
	(ii)(क)	**-**	**-**	• लेखन - भाषा के माध्यम से अपने विचारों को संकलित करके उन्हें सुन्दर और सुघड़ ढंग से अभिव्यक्त करना • यांत्रिक हस्तकौशल क्यों नहीं - लेखन यंत्रों के माध्यम से न होकर बुद्धि, भाव और कल्पना के संयोग से होना	**2**
	अथवा **(ii)(ख)**	**-**	**-**	शैली - उल्टा पिरामिड ध्यान रखने योग्य बातें - • छः ककारों का प्रयोग • सीधी, सरल, शुद्ध एवं प्रभावपूर्ण भाषा • महत्वपूर्ण तथ्य या सूचना सबसे पहले, उसके पश्चात घटते क्रम में (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	**1+1=2**
	-	**(i)(क)**	**-**	• स्वगत कथन द्वारा • वॉइस ओवर (ऐसी ध्वनि, जो दर्शकों को सुनाई देती है, पर पात्र बोलता नहीं) द्वारा • फ्लैश बैक शैली के प्रयोग द्वारा (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	**2**

प्रश्न सं	प्रश्न पत्र गुच्छ संख्या			उत्तर संकेत /मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/3/1	**2/3/2**	**2/3/3**		
	-	**अथवा (i)(ख)**	-	• रेडियो नाटक - श्रव्य माध्यम • संवादों एवं ध्वनि प्रभावों द्वारा ही श्रोताओं तक पहुँचना • पत्रों की सीमित संख्या (5-20 तक) • समय-सीमा 15 से 30 मिनट • उचित ध्वनि प्रभावों तथा पात्रानुकूल भाषा का चयन (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	**2**
	-	**(ii)(क)**	-	• 'मैं' शैली का प्रयोग • विषम की पूरी जानकारी अपेक्षित • लेखन से पूर्व मस्तिष्क में पूर्व रूपरेखा बनाना • विचारों का विषय से सुसंबद्ध तथा सुसंगत होना • विषय से जुड़े तथ्यों से उचित तालमेल (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	**2**
	-	**अथवा (ii)(ख)**	-	• लाइव प्रसारण - घटनास्थल से किसी कार्यक्रम या घटना का सीधा प्रसारण • घटनास्थल पर उपस्थित रिपोर्टर और कैमरामैन का ओ. वी. वैन के जरिए घटना को घटनास्थल से सीधे दर्शकों को दिखाना (कोई दो बिंदु अपेक्षित	**1+1=2**
	-	-	**(i)(क)**	छात्रों की कल्पनाशक्ति और रचनात्मक कौशल के आधार पर दृश्य-लेखन स्वीकार्य	**2**
	-	-	**अथवा (i)(ख)**	• सब कुछ संवाद और ध्वनि प्रभावों से ही व्यक्त होना • पात्रों के मनोभाव, घटनाक्रम दिखाने के लिए भाव-भंगिमाओं, मंच-सज्जा, वस्त्र सज्जा का प्रयोग न कर पाना	**2**
	-	-	**(ii)(क)**	• खुले मैदान की तरह • सार्थक और सुसंगत विचारों की क्रमबद्ध अभिव्यक्ति • 'मैं' शैली का प्रयोग • लिखी गई बातों का आपस में तालमेल, खंडन नहीं (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	**2**
	-	-	**अथवा (ii)(ख)**	• सरल • रूपात्मक	**2**

प्रश्न सं	प्रश्न पत्र गुच्छ संख्या			उत्तर संकेत /मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/3/1	2/3/2	2/3/3		
				• आकर्षक और मन को छूने वाली • समाचारों में प्रयुक्त होने वाली सपाटबयानी भाषा का प्रयोग नहीं (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	
9	9	9	9	किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित	2X3=6
	(क)	(क)	(क)	सन् 1556 में, गोवा में, उद्देश्य -मिशनरियों द्वारा धर्म प्रचार की पुस्तकें छापने के लिए	1+1+1=3
	(ख)	(ख)	(ख)	• पत्रकारों के तीन प्रकार - पूर्णकालिक, अंशकालिक और स्वतंत्र (फ्रीलांसर) • अंशकालिक पत्राचार - समाचार संगठन में निश्चित मानदेय पर काम करने वाला पत्रकार • अन्य नाम - स्ट्रिंगर	1+1+1=3
	(ग)	(ग)	(ग)	विशेष लेखन - मुद्रित माध्यमों में समाचारों के अलावा अन्य विषय जैसे खेल, अर्थजगत, सिनेमा, कृषि, मनोरंजन आदि विषय पर लेखन कारण - • समाचार पत्रों में विविधता • कलेवर में वृद्धि • पाठकों की सुरुचि, जिज्ञासा एवं मनोरंजन जैसे कार्य सिद्ध करने हेतु (कोई दो बिंदु अपेक्षित	1+2=3
10	10	11	10	पाठ्यपुस्तक पर आधारित प्रश्नों के उत्तर किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित	2X3=6
	(क)	(क)	(क)	• वर्षा ऋतु का समाप्त हो जाना • शरद ऋतु के आगमन के साथ मौसम का साफ होना • सवेरे के सूरज का खरगोश की आँख जैसा लाल दिखाई देना • चमकीली धूप खिलना • वातावरण साफ-सुथरा और चमकदार होना • आकाश का बादल रहित होना • उमस का समाप्त हो जाना (कोई तीन बिंदु अपेक्षित)	3

प्रश्न सं	प्रश्न पत्र गुच्छ संख्या			उत्तर संकेत /मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/3/1	2/3/2	2/3/3		
	(ख)	(ख)	(ख)	• आकाश में छाए बादलों की तरह मानव जीवन में सुख-दुख का स्थाई न होना • जीवन में अस्थिर सुखों पर दुख की आशंका का मंडराते रहना • शोषक वर्ग को क्रांति के भय का हर समय सताना, उन्हें अपने साम्राज्य की समाप्ति तथा वैभव छिनने का डर सताना	3
	(ग)	(ग)	(ग)	• तुलसी महान कवि, लोकनायक और युगद्रष्टा • तत्कालीन समाज की दयनीय आर्थिक स्थिति का ज्ञान • रचनाओं में समाज में फैली गरीबी, बेरोजगारी का यथार्थ बोध • भुखमरी और बेरोजगारी के कारण भीख तक का न मिलना • पेट की आग को शांत करने के लिए अच्छे-बुरे कर्मों को करना • भूख शांत करने के लिए बच्चों को भी बेच देना (कोई तीन बिंदु अपेक्षित)	3
11	11	10	11	किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित	2X2=4
	(क)	(क)	(क)	जीवन पथ की ओर संकेत आशंका - • पथिक का मन आशंकित है कि कहीं मार्ग में ही रात ना हो जाए • लक्ष्य एवं मंजिल तक पहुँचने से पूर्व ही अंधकार रूपी बाधाओं द्वारा मार्ग अवरुद्ध करने की आशंका (कोई एक बिंदु अपेक्षित)	1+1=2
	(ख)	(ख)	(ख)	• लोगों द्वारा पांडित्य-प्रदर्शन के चक्कर में पड़कर सहज अभिव्यक्ति को न अपनाया जाना • भाषा को दुरूह और जटिल बना देना • किसी बात को कहने के क्रम में भाषा को सीधे, सरल और सहज शब्दों में न कहकर तोड़-मरोड़कर, घुमा-फिराकर कहना • भाषा की जटिलता के कारण कथ्य का अस्पष्ट, पेचीदा और प्रभावहीन होना (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	2

प्रश्न सं	प्रश्न पत्र गुच्छ संख्या			उत्तर संकेत /मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/3/1	2/3/2	2/3/3		
	(ग)	(ग)	(ग)	बालक बाल मनोविज्ञान का पक्ष - • बाल - मनोविज्ञान का सहज चित्रण • बाल हठ और बच्चे के जिद्दी स्वभाव की ओर संकेत (कोई एक बिंदु अपेक्षित)	1+1=2
12	12	12	12	किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित	2X3=6
	(क)	-	-	अप्रत्याशित अनुग्रह - सास द्वारा भक्तिन को स्वयं मायके जाने के लिए कहना लछमिन पर प्रभाव - • प्रसन्नतापूर्वक मायके जाने के लिए तैयार होना • नए कपड़े और गहने पहनना • मायके जाने के लिए पैरों में पंख लग जाना (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	1+2=3
	(ख)	-	-	आशय - पैसे की ताकत के सम्मुख स्वयं को हीन समझना प्रभाव - अपने को हीन समझकर कोसना तथा व्यक्ति का अपने से धनवान संपन्न को देखकर विचलित होना अप्रभावित लोग - बाजार की चमक-दमक से तटस्थ, चूरन बेचने वाले भगत जी जैसे संतोषी, अपनी जरूरतों को पहचानने वाले लोग	1+1+1=3
	(ग)	-	-	• जाति प्रथा का श्रम विभाजन के साथ-साथ श्रमिकों का भी विभाजन करना • सभ्य समाज में श्रम विभाजन आवश्यक, लेकिन श्रमिकों के विभिन्न वर्गों में विभाजन अनुचित • जातिप्रथा में मनुष्य को विपरीत परिस्थितियों में पेशा बदलने की अनुमति नहीं, जबकि श्रम विभाजन में छूट • जातिप्रथा में रोजगार जन्म पर आधारित, श्रम विभाजन में व्यक्ति की योग्यता, क्षमता और रुचि पर आधारित (कोई तीन बिंदु अपेक्षित)	3
	-	(क)	-	• महादेवी के द्वारा लेखन कार्य करते समय निरक्षर होने पर भी कुछ क्रियात्मक सहयोग देकर • उत्तर पुस्तिकाओं को बाँधकर • अधूरे चित्र को कोने में रखकर, रंग की प्याली धोकर • लेखिका के पास बैठकर तथा उनके खाने-पीने का ध्यान रखकर (कोई तीन बिंदु अपेक्षित)	3

प्रश्न सं	प्रश्न पत्र गुच्छ संख्या			उत्तर संकेत /मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/3/1	2/3/2	2/3/3		
	-	(ख)	-	आशय - मन में अधिकाधिक वस्तुओं की लालसा होना, किसी वस्तु को खरीदने की निश्चितता न होना तथा अपने पास पर्याप्त पैसा अर्थात पर्चेजिंग पावर का होना प्रभाव - अनावश्यक वस्तुओं का क्रय, बाजारवाद को बढ़ावा मिलना	1½+1½=3
	-	(ग)	-	कथन पूर्णतः सत्य • पाठ के संदर्भ में लेखक और जीजी के मध्य मेंढक मंडली पर पानी डाले जाने का घटनाक्रम • आर्यसमाजी संस्कारों के कारण लेखक का अंधविश्वासों का विरोध, लेखक के प्रति जीजी के प्रगाढ़ स्नेह का उसे सभी कर्मकांड करने के लिए प्रेरित करना • भावना में तर्क का स्थान न होकर विश्वास प्रमुख होना (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	1½+1½=3
	-	-	(क)	प्रेरणा - • इंदर सेना द्वारा सामूहिक रूप से घर-घर जाकर पानी के लिए गुहार लगाकर समाज को संगठितकर काम करने की प्रेरणा प्रदान करना • लोक कल्याण की भावना का विकास कारण - • समाज को सकारात्मक और रचनात्मक कार्यों की ओर मोड़ सकना • समाज को संगठित होकर कार्य करने के लिए रास्ता दिखाना	1½+1½=3
	-	-	(ख)	• शिरीष और महात्मा गांधी दोनों का बाहर से कठोर एवं दृढ़, लेकिन भीतर से कोमल होना • प्रतिकूल परिस्थितियों में भी अविचलित रहना • दोनों का ही लाभ-हानि से परे रहना • दोनों ही अवधूत के समान • वायुमंडल से रस खींचना तथा कालजयी अवधूत की भाँति विपरीत परिस्थितियों में डटे रहना (कोई तीन बिंदु अपेक्षित)	3
	-	-	(ग)	पक्षधर - जीवन, शारीरिक सुरक्षा तथा संपत्ति के अधिकार की स्वतंत्रता, गमनागमन की स्वतंत्रता, जीविकोपार्जन के लिए आवश्यक औजार रखने की स्वतंत्रता	1½+1½=3

प्रश्न सं	प्रश्न पत्र गुच्छ संख्या			उत्तर संकेत /मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/3/1	2/3/2	2/3/3		
				विरोध - मनुष्य की शक्ति के सक्षम और प्रभावशाली प्रयोग के विरोध में । कारण - इसका अर्थ मनुष्य को व्यवसाय चुनने की स्वतंत्रता देना होगा, जिससे उन्हें दास नहीं बनाया जा सकता।	
13	13	13	13	किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित	2X2=4
	(क)	-	-	▯ ऋषियों द्वारा दान को सर्वोपरि मानना ▯ हम जो पाना चाहते हैं, उसका पहले दान आवश्यक ▯ त्याग की भावना से दिया गया दान ही फलीभूत ▯ इंदर सेना पर पानी डालना पानी की बर्बादी नहीं, वरन् अर्घ्य चढ़ाना ▯ तीस चालीस मन गेहूं उगाने के लिए पाँच-छः सेर अच्छे गेहूं की बुवाई (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	2
	(ख)	-	-	▯ वर्तमान समय में ग्रामीण खेल और लोक कलाओं को नजर अंदाज करना ▯ पहलवानों को पर्याप्त आदर-सत्कार न मिलना ▯ पहलवानी के प्रति लोगों की रुचि घटना तथा आय के पर्याप्त अवसर न होना ▯ आधुनिक खेलों द्वारा पहलवानी जैसे पारंपरिक खेलों का स्थान लेना (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	2
	(ग)	-	-	कालजयी अवधूत के साथ तुलना आधार - ▯ संन्यासी की तरह विषम परिस्थितियों में भी जीवन की अजेयता के मंत्र का प्रचार करना ▯ भीषण गर्मी में भी अपनी सरसता बनाए रखना ▯ संन्यासी की तरह हर मौसम में आनंदित (खिले) रहना ▯ अजेय योद्धा की तरह कभी पराजय स्वीकार नहीं करना (कोई एक बिंदु अपेक्षित)	1+1=2
	-	(क)	-	▯ वर्तमान समय में निजी स्वार्थ को महत्व, समाज को नहीं ▯ महात्मा गांधी जैसे प्रेरणादायी, आत्मविश्वासी एवं मानवता की रक्षा करने वाले व्यक्ति अब नहीं	2
	-	(ख)	-	आदर्श समाज - ▯ स्वतंत्रता, समता और भ्रातृता पर आधारित	2

प्रश्न सं	प्रश्न पत्र गुच्छ संख्या			उत्तर संकेत /मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/3/1	2/3/2	2/3/3		
				• समाज के बहुविधि हितों में सभी की समान भागदारी • वांछित परिवर्तन समाज के सभी वर्गों तक पहुँचना • समाज में सभी को सुरक्षा प्राप्त होना (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	
	-	(ग)	-	• दंगल में उतरकर सबसे पहले ढोल को प्रणाम करना • ढोल की आवाज़ पर पूरा ध्यान देना • मालिक को सदैव प्रसन्न रखने की शिक्षा (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	2 1+1=2
	-	-	(क)	लछमिन को कारण - • लछमिन के एक के बाद एक तीन पुत्रियों को जन्म देना • पुरुष प्रधान समाज में कन्या का जन्म देने का दोषी महिला को मानना (कोई एक बिंदु अपेक्षित)	2
	-	-	(ख)	1. मायावीशास्त्र - बाज़ार के जादुई, आकर्षक, लुभावने रूप के लिए प्रयुक्त 2. सरासर औंधा - विपरीत होना। बाजार का उद्देश्य मनुष्य की आवश्यकताओं की पूर्ति, परंतु उसके द्वारा आवश्यकता बढ़ाना 3. अनीतिशास्त्र - ग्राहक और बेचक द्वारा परस्पर एक दूसरे की हानि में अपना लाभ देखे जाने से कपट में बढ़ोतरी (कोई दो विशेषताएँ अपेक्षित)	2
	-	-	(ग)	• निरीह, साधनहीन और विवश गांववालों में उत्साह का संचार • गांववालों में जिजीविषा उत्पन्न करना • विषम परिस्थितियों में भी संघर्ष करने का साहस भरना • ढोलक की आवाज से महामारी के कारण अर्धमृत, औषधि और उपचारविहीन लोगों को राहत मिलना (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	

प्रश्न सं	प्रश्न पत्र गुच्छ संख्या			उत्तर संकेत /मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/3/1	2/3/2	2/3/3		
14	14	14	14		2X2=4
	(क)	-	-	• मातृत्व का दायित्व निभाते हुए और बच्चों का पक्ष लेते-लेते • विवाह के पश्चात बहुत अधिक आचार-विचार के बंधनों में रहने और जिम्मेदारियाँ थोपने के मलाल के कारण • पुरानी बातों को ढोंग - ढकोसला समझने के कारण • संयुक्त परिवार में रहने वाले दौर में पति द्वारा उनका पक्ष न लेने की प्रतिक्रिया स्वरूप (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	2
	(ख)	-	-	• पाठशाला जाने से पूर्व ग्यारह बजे तक खेत पर काम करना • सवेरे खेत पर जाते समय ही बस्ता लेकर जाना • छुट्टी होने के बाद घर में बस्ता रखकर सीधे खेत पर आकर घंटाभर ढोर चराना • खेत में ज्यादा काम होने पर पाठशाला से अनुपस्थित रहना (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	2
	(ग)	-	-	कॉलेज आफ प्रीस्ट्स - महाकुंड के उत्तर पूर्व में एक बहुत लंबी-सी इमारत को कारण - • इसकी वास्तुकला के आधार पर • इसके बीच में खुला दालान, जिसके तीन ओर बरामदे के साथ छोटे-छोटे कमरे • पुरातत्त्वेताओं के अनुसार धार्मिक अनुष्ठानों में ज्ञानशालाओं का सटा होना (कोई एक बिंदु अपेक्षित)	1+1=2
	-	(क)	-	• परंपरावादी • अपरिवर्तनशील • वर्तमान में रहते हुए भी अतीत में जीना • पुरानी जीवन शैली और विचारों का अच्छा लगना • धार्मिक प्रवृत्ति • आधुनिकता के विरोधी • किशन दा को अपना आदर्श मानना (किन्हीं दो बिंदुओं का विस्तार अपेक्षित)	2

प्रश्न सं	प्रश्न पत्र गुच्छ संख्या			उत्तर संकेत /मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/3/1	2/3/2	2/3/3		
	-	(ख)	-	• कथानायक की पढ़ाई-लिखाई में अधिक रुचि होना • पढ़-लिखकर सुंदर भविष्य बनाने की कामना • खेती के काम में अधिक आय न होना • खेती में परिश्रम बहुत अधिक होना (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	2
	-	(ग)	-	• ताकत से शासित होने की अपेक्षा समझ से अनुशासित सभ्यता • राजपोषित न होकर समाज-पोषित सभ्यता • खेतीहर और पशुपालक सभ्यता (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	2
	-	-	(क)	• सहकर्मियों के साथ शुष्क व्यवहार, किंतु छुट्टी के समय दफ्तर से चलते हुए कोई मनोरंजक बात करना • सहकर्मियों द्वारा की जाने वाली धृष्टता का प्रत्यक्ष विरोध न करके अनदेखा करना • किशन दा की शिक्षा के कारण दफ्तर के कर्मचारियों से अधिक मिलना-जुलना, चाय-पानी पीना, गप्प मारना पसंद नहीं (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	2
	-	-	(ख)	• विषम परिस्थितियों में भी संघर्षरत रहना • खेती के कामों के साथ पढ़ाई के लिए कठिन परिश्रम करना • दृढ़ निश्चय, अडिग विश्वास • पिता की असाधारण शर्तों के बाद भी पाठशाला जाने के लिए तत्पर रहना (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	2
	-	-	(ग)	कहाँ - पाकिस्तान के सिंध प्रांत में स्थित कारण - दक्षिणी एशिया में बसे इस शहर को सबसे पुराना मानना • विश्व की सबसे प्राचीन सभ्यता • प्राचीन इतिहास की समझ बनाने में सहायक	1+1=2